पाठ – 4
मानव विकास

अभ्यास

Q1. नीचे दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए।

(i) निम्नलिखित में से कौन-सा विकास का सर्वोत्तम वर्णन करता है?
(a) आकार में वृद्धि
(b) गुण में धनात्मक परिवर्तन
(c) आकार में स्थिरता
(d) गुण में साधारण परिवर्तन
उत्तर : (b) गुण में धनात्मक परिवर्तन

(ii) मानव विकास की अवधारणा निम्नलिखित में से किस विद्वान की देन है|
(a) प्रो. अमर्त्य सेन
(b) डॉ. महबूब-उल-हक़
(c) एलन सी. सेम्पुल
(d) रेटजेल
उत्तर : (b) डॉ. महबूब-उल-हक़

Q2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 शब्दों में दें।

(i) मानव विकास के तीन मूलभूत क्षेत्र कौन से हैं?

उत्तर : डॉ महबूब-उल-हक ने मानव विकास को एक ऐसे विकास के रूप में वर्णित किया है जो लोगों के विकल्पों को बढ़ाता है और उनके जीवन को बेहतर बनाता है। मानव विकास के तीन बुनियादी क्षेत्र हैं : * स्वास्थ्य- स्वास्थ्य तक पहुँचने के लिए चुना गया संकेतक जन्म के समय जीवन प्रत्याशा है। जन्म के समय उच्च जीवन प्रत्याशा, उच्च मानव विकास सूचकांक है। * शिक्षा- इसमें वयस्क साक्षरता दर और सकल नामांकन अनुपात शामिल है। * संसाधनों तक पहुंच- इसे क्रय शक्ति (अमेरिकी डॉलर में) के संदर्भ में मापा जाता है।

(ii) मानव विकास के चार प्रमुख घटकों के नाम लिखिए

उत्तर : मानव विकास के चार मुख्य घटक : - समता : - यह सभी के लिए उपलब्ध अवसरों के समान उपयोग करने को संदर्भित करता है। लोगों के लिए उपलब्ध अवसर उनके लिंग, नस्ल, आय और जाति के भेद के बिना होने चाहिए। स्थिरता : - इसका अर्थ है अवसरों की उपलब्धता में निरंतरता। स्थायी मानव विकास के लिए, प्रत्येक पीढ़ी के पास समान अवसर होने चाहिए। सभी पर्यावरणीय, वित्तीय और मानव संसाधनों का उपयोग भविष्य को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिए। इनमें से किसी भी संसाधन का

दुरुपयोग भविष्य की पीढ़ियों के लिए कम अवसर पैदा करेगा। उत्पादकता : - इसका अर्थ है मानव श्रम उत्पादकता या मानव कार्य की उत्पादकता। सशक्तिकरण : - इसका अर्थ है चुनाव करने की शक्ति होना। ऐसी शक्ति बढ़ती स्वतंत्रता और क्षमता से आती है। लोगों को सशक्त बनाने के लिए सुशासन और जनोन्मुखी नीतियों की आवश्यकता है।

(iii) मानव विकास सूचकांक के आधार पर देशों का वर्गीकरण किस प्रकार किया जाता है?

उत्तर : देशों को उनके द्वारा अर्जित मानव विकास स्कोर के आधार पर चार समूहों में वर्गीकृत किया जा सकता है : * बहुत अधिक (0.808 से ऊपर) - बहुत उच्च मानव विकास सूचकांक वाले देश वे हैं जिनका स्कोर 0.793 से अधिक है। * उच्च (0.700 से 0.807 के बीच) - शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना एक महत्वपूर्ण सरकारी प्राथमिकता है। उच्च मानव विकास के देश वह हैं जहां सामाजिक क्षेत्र में बहुत अधिक निवेश हुआ है। * मध्यम (0.556 से 0.699 के बीच) - इनमें से अधिकांश ऐसे देश हैं जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की अवधि में उभरे हैं। इनमें से कई देश जन नीतियों को अपनाकर और सामाजिक भेदभाव को कम करके अपने मानव विकास स्कोर में तेजी से सुधार कर रहे हैं। * निम्न (0.555 से नीचे) - इनमें से एक बड़ा हिस्सा छोटे देश हैं जो राजनीतिक उथल-पुथल और सामाजिक अस्थिरता के माध्यम से गृहयुद्ध, अकाल या बीमारियों की एक उच्च घटना से गुजर रहे हैं।

Q3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 150 से अधिक शब्दों में ना दें।

(i) मानव विकास शब्द से आपका क्या अभिप्राय है?

उत्तर : मानव विकास की अवधारणा डॉ महबूब-उल-हक द्वारा पेश की गई थी। डॉ हक ने मानव विकास को एक ऐसे विकास के रूप में वर्णित किया है जो लोगों के विकल्पों को बढ़ाता है और उनके जीवन को बेहतर बनाता है। इस अवधारणा के तहत मनुष्य विकास का केंद्र हैं। विकास का मूल लक्ष्य ऐसी परिस्थितियाँ बनाना है जहाँ लोग सार्थक जीवन जी सकें। लम्बा जीवन होना सार्थक जीवन नहीं कहलाता बल्कि किसी उद्देश्य के साथ जीवन जीना होता है। इसका मतलब है कि लोगों को स्वस्थ होना चाहिए, अपनी प्रतिभा को विकसित करने में सक्षम होना चाहिए, समाज में भाग चाहिए और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए स्वतंत्र होना चाहिए। शब्द 'मानव विकास' को मानव क्षमताओं के विस्तार, विकल्पों का बढ़ना, 'स्वतंत्रता की वृद्धि और मानव अधिकारों की पूर्ति के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम ने मानव विकास यह कहते हुए परिभाषित किया है कि इसमें लोगों को लंबे और स्वस्थ जीवन जीने के ज्यादा विकल्प देना, उनको शिक्षित किया जाना, एक अच्छे जीवन स्तर का आनंद लेना, साथ ही साथ राजनीतिक स्वतंत्रता, अन्य गारंटीकृत मानव अधिकारों और आत्म सम्मान के विभिन्न पहलु शामिल हैं| विकास जीवन जीने के ऐसे विकल्प बढ़ाता है जिसका महत्व लोगो को लिए ज्यादा हो और मानवीय स्थिति में सुधार हो ताकि लोगों को पूर्ण जीवन जीने का मौका मिले। इस प्रकार, मानव विकास आर्थिक विकास से कहीं अधिक है, जो केवल लोगों के विकल्प बढ़ाने का एक साधन है। इन विकल्पों को बढ़ाने के लिए मौलिक मानव क्षमताओं का निर्माण होता है-उन चीजों की श्रेणी जो लोग जीवन में कर सकते हैं या चाहते हैं। क्षमताएं "मूल स्वतंत्रताएं हैं जो एक व्यक्ति को उस तरह के जीवन जीने का आनंद मिलता है जिसकी उन्हें अहमियत है।" मानव विकास के लिए सबसे बुनियादी क्षमताएं हैं: लंबे और

स्वस्थ जीवन जीना, जानकार होना, संसाधनों और सामाजिक सेवाओं तक पहुँच होना जो एक सभ्य जीवन स्तर के लिए आवश्यक है, और समुदाय के जीवन में भाग लेने में सक्षम होना|

(ii) मानव विकास अवधारणा के अंतर्गत समता और सतत पोषणीयता से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : समता से तात्पर्य है उपलब्ध अवसरों की हर किसी तक समान पहुंच होना। लोगों के लिए जो अवसर उपलब्ध हों उनके लिंग, नस्ल, आय और जाति में भेद के बिना होना चाहिए। भारत में, सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े समूहों से बड़ी संख्या में महिलाएं और व्यक्ति स्कूल छोड़ देते हैं। इससे पता चलता है कि ज्ञान तक पहुंच न होने से इन समूहों के विकल्प कैसे सीमित हो जाते हैं। स्थिरता का अर्थ है अवसरों की उपलब्धता में निरंतरता। स्थायी मानव विकास के लिए, प्रत्येक पीढ़ी के पास समान अवसर होने चाहिए। सभी पर्यावरणीय, वित्तीय और मानव संसाधनों का उपयोग भविष्य को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिए। इनमें से किसी भी संसाधन का दुरुपयोग भविष्य की पीढ़ियों के लिए कम अवसर पैदा करेगा। उदाहरण के लिए यदि कोई समुदाय अपनी बालिकाओं को स्कूल भेजने के महत्व पर जोर नहीं देता है, तो बड़े होने पर इन युवा महिलाओं के लिए कई अवसर खो जाएंगे। उनके आजीविका के विकल्प गंभीर रूप से बंद हो जायेंगे और इससे उनके जीवन के अन्य पहलू प्रभावित होंगे। इसलिए प्रत्येक पीढ़ी को अपनी भावी पीढ़ियों के लिए विकल्पों और अवसरों की उपलब्धता सुनिश्चित करनी चाहिए।